आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना

हथकरघा

(शॉल व स्टोल)

अम्बिका समान रूची समूह, खणीपांदे

ग्राम वन विकास समिति ....खणीपांदे-पवनंग
ग्राम पंचायत.. मझाट
वन परिक्षेत्र ....भुट्टी
वनमण्डल..कुल्लू
वनवृत..कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधार परियोजना

विषय -सूची

क्र0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	3-4
2	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण व सूची	5-6
3	गांव की भौगोलिक स्थिति का विवरण	7
4	आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण	7
5	उत्पादन की प्रक्रियाएं	8
6	उत्पादन नियोजन	8-9
7	विक्रय तथा विपणन	10
8	सदस्यों के मध्य प्रबन्धन का विवरण	11
9	शक्ति, दुर्बलता,अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**	11
10	सम्भावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	12
11	व्यवसाय योजना की अर्थव्यवस्था का विवरण	13
12	अर्थव्यवस्था का सारांश	14
13	अनुमान	14
14	उद्यम हेतू लाभ- लागत विश्लेषण	15
15	धन की आवश्यकता	16
16	वित्तीय संसाधन	16
17	धन की आवश्यकता का नियोजन	17
18	लाभ -हानि स्थिति/बिन्दु की तुलना	17
19	ऋण अदायगी नियोजन	18
20	टिप्पणी	19
21	प्रशिक्षण	19
22	अनुलग्नक*(छाया चित्र, नियम, सदस्यों की सूची फोटो सहित व सहमति पत्र)*	20-25

1. कार्यकारिणी सारांश

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुन्दरता और समृद्व संस्कृति के लिए प्रसिद्व है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत विस्तृत है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुन्दरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी लगभग 70 लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग कि0 मी0 है जोकि शिवालिक पहाड़ियों में उपरी हिमालय के शीत मरूस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 ज़िलों में कुल्लू ज़िला पर्यटन व बागवानी के लिए प्रसिद्व है। कुल्लू ज़िला हिमाचल प्रदेश की मध्य पहाड़ियों में स्थित है।

गांव खणीपांद ग्राम पंचायत मझाट विकास खण्ड़ कुल्लू, तहसील व ज़िला कुल्लू हिमाचल प्रदेश में स्थित है। कुल्लू ज़िले की घाटियों को भौतिक संरचना के अनुसार तरह-तरह के नाम दिए गये हैं, जिनमें एक नाम लगवैली है। गांव खणीपांद कुल्लू मुख्यालय से लगभग 16 कि0 मी0 की दूरी पर लगवैली में स्थित है। गांव खणीपांद में लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है परन्तु सिंचाईं की उचित व्यवस्था ना होने के कारण लोगों को उनकी आय में अपेक्षित बढ़ौतरी नहीं हो रही है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम ज़मीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह ठीक ढ़ग से नहीं हो रहा है। जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नगदी फसल व बागवानी के कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं।

गांव में लोग पट्टू बनाने के कार्य कर भी रहे हैं, परन्तु उत्पादन पारम्परिक तरीके से होता है इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। इस समस्या को दूर करने के लिए उत्पादों का उत्पादन बढ़ाने के लिए इन महिलाओं को उन्नत किस्म के यन्त्रों के बारे में जो इस उत्पादन के लिए उपयुक्त है, उनकी जानकारी की आवश्यकता है।

भौगोलिक स्थिति के अनुसार इस क्षेत्र में पूरे वर्ष भर इन उत्पादों की आवश्यकता रहती है। इस लिए उचित प्रशिक्षण एवं आधुनिक यन्त्रों का उपयोग करके अधिक से अधिक उत्पादन बढ़ाया जा सकता है। समय-समय पर मांग व फैशन के अनुसार नये उत्पाद तैयार करने की भी आवश्यकता है।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना नें गांव में ग्राम वन समिति खणीपांदे-पवनंग के गठन के बाद लोगों को आजीविका के साधन बढ़ाने के लिए समूह में कार्य करने के बारे में बताया। परियोजना के माध्यम से खणीपांदे-पवनंग में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन **"अम्बिका" स्वयं सहायता समूह** व **"हुरंग नारायण"** स्वयं सहायता समूह के रूप में किया गया। इसके बाद "अम्बिका" स्वयं सहायता समूह ने हथकरघा के कार्य करने का निर्णय

लिया। इस समूह में 10 सदस्य शामिल हुए तथा इस समूह को **"अम्बिका" समान रूची समूह** का नाम दिया गया।

"अम्बिका" समान रूची समूह के साथ हथरघा के विशेषज्ञ श्री जुगत राम हिम बुनकर तकनीकी सहायक की राय, सुझावों व अनुभवों के आधार पर समूह के सदस्यों ने शॉल व स्टोल आदि बनाने का निर्णय लिया विशेषज्ञ श्री जुगत राम से समय-समय पर समूह को जागरूक व कुशल तथा सक्षम बनाने का आग्रह किया ताकि समूह द्वारा बनाये जाने वाले उत्पाद सुन्दर, आकर्षित व अच्छी गुणवता के बने। जिससे समूह की आजीविका में बढ़ौतरी हो।

हिमाचल प्रदेश वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना ने **"अम्बिका" समान रूची समूह** को शॉल व स्टॉल बनाने का प्रशिक्षण देने के साथ-साथ 100000/- रूपये परिक्रीमी निधि के रूप में देने का निर्णय लिया।

"अम्बिका" समान रूची समूह की **आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना** बनाने के लिए श्री शशि शर्मा (FTU Coordinator), वन परिक्षेत्र भुट्टी सहायक क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई अधिकारी एवं वन वन खण्ड अधिकारी, तारापुर ने बार-बार समूह के सदस्यों से बैठके करके व वन मण्डल अधिकारी श्री ऐंजल चौहान (IFS), श्री मनोज कुमार (HPFS) सहायक वन अरण्यपाल कुल्लू के मार्गदर्शन तथा श्रीमति बन्दना ठाकुर क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई अधिकारी एवं वन परिक्षेत्राधिकारी, भुट्टी के सहयोग से इस आजीविका वर्धन व्यवसाय योजना को अन्तिम रूप दिया।

समूह के सदस्य

2. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह का विवरण

2.1	समान रूची समूह का नाम	"अम्बिका"
2.2	समान रूची समूह की सूचना प्रणाली प्रबंधन की नियमावली	नियमावली पृष्ठ नं0 23 पर सलंग्न है
2.3	ग्राम वन विकास समिति	खणीपांदे-पवनंग
2.4	वन परिक्षेत्र/क्षेत्रीय तकनीकि ईकाई	भुट्टी
2.5	वनमण्डल/मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई	कुल्लू
2.6	गांव	खणीपांद
2.7	विकास खण्ड	कुल्लू
2.8	ज़िला	कुल्लू
2.9	समान रूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	12
2.10	समूह के गठन की तिथि	सितम्बर, 2021
2.11	बैंक खाता संख्या	11470110048610
2.12	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचाालित है	यूको बैंक आखड़ा बाजार, कुल्लू
2.13	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह की मासिक बचत	1200
2.14	कुल बचत	7000
2.15	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	5000
2.16	नकदी जमा करने की सीमा	
2.17	चुकौती की स्थिति	11 महीने

स्वयं सहायता/समान रूची समूह की सूची

क्रं0	लाभार्थी का नाम व पता	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	श्रीमती लता पत्नी श्री नैन प्रकाश	प्रधान	38	स्त्री	10वीं	सामान्य	9816967989
2	श्रीमती जमना देवी पत्नी श्री दिवान	सचिव	34	स्त्री	12वीं	सामान्य	8580958505
3	श्रीमती रजनी पत्नी श्री सुदर्शन	कोषाध्यक्ष	27	स्त्री	12वीं	सामान्य	8544706352
4	श्रीमती उर्मिला पत्नी श्री प्रकाश चन्द	सदस्य	30	स्त्री	10बीं	सामान्य	8219620473
5	श्रीमती रेली पत्नी श्री अभियान सिंह	सदस्य	35	स्त्री	5वीं	सामान्य	8894900928
6	श्रीमती किरणा पत्नी श्री संजय ठाकुर	सदस्य	22	स्त्री	8वीं	सामान्य	8219762101
7	श्रीमती मुलादेई पत्नी श्री यशपाल	सदस्य	32	स्त्री	6बीं	सामान्य	9805473753
8	श्रीमती रीना देवी पत्नी श्री रणजीत	सदस्य	30	स्त्री	8बीं	सामान्य	7018004221
9	श्रीमती फिरोज पत्नी श्री महेश	सदस्य	29	स्त्री	12बीं	सामान्य	9459717854
10	श्रीमती रोमा पत्नी श्री यशपाल	सदस्य	28	स्त्री	8बीं	सामान्य	8219018332
11	श्रीमती पूनम पत्नी श्री रमेश ठाकुर	सदस्य	28	स्त्री	12बीं	सामान्य	8580499835
12	श्रीमती मोनिका पत्नी श्री बलबीर	सदस्य	26	स्त्री	8बीं	सामान्य	8626865091

3. गांव की भौगोलिक स्थिति

3.1	जिला मुख्यालय से दूरी	सड़क से 16 कि0मी0 व पैदल 02 कि0मी0
3.2	मुख्य/लिंक सड़क से दूरी	सड़क से 16 कि0मी0 व पैदल 02 कि0मी0
3.3	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0.
3.4	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0
3.5	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 16 कि0मी0, भुन्तर 21 कि0मी0, मनाली 55 कि0मी0, शमशी 20 कि0मी0
3.6	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पाद का बिक्रय/विपणन किया जाएगा।	कुल्लू, भुन्तर, मनाली, शमशी
3.7	प्रस्तावित आय सृजन गतिविधि के सम्बन्ध में गांव की कोई विशेष सूचना	कृषि व बागवानी कुल्लवी लिवास पट्टू बनाते है।
3.8	पिछले/ पूर्व और आगामी सम्पर्कों की स्थिति	लगातार बैठके की जा रही है और हथकरघा की जानकारी सांझा की जा रही है।

4. आय सृजन गतिविधि से सम्बन्धित उत्पाद का विवरण

4.1	उत्पाद का नाम	शॉल,स्टोल
4.2	उत्पाद की पहचान की पद्वति	कुछ सदस्य हथकरघा का कार्य पहले से ही करते है।
4.3	स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह/सदस्यों की सामुहिक सहमति	हां *(सहमति पत्र पृष्ठ नं0 25 पर सलंग्न है)*

5. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम समान रूची समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा शॉल, स्टोल आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण के उपरान्त समूह के सदस्यों द्वारा उत्पाद तैयार करने में निम्न प्रक्रिया की जाएगीः-

1. शॉल, स्टोल का ताना व वाना, वार्पिग मशीन द्वारा लगवाएगें। इससे समय और उत्पादों की मज़दूरी दर का खर्चा कम होगा।
2. समूह में 08 सदस्य स्टोल बनाने का कार्य करेगें।
3. समूह में 03 सदस्य शॉल/पट्टू बनाने का कार्य करेगें।
4. समूह में 01 सदस्य विपणन करेगें व कच्चा माल भी लाएंगे।
5. समूह के सदस्य प्रति दिन 4 से 5 घण्टे कार्य करेगें।

प्रशिक्षण के उपरान्त समूह द्वारा निम्नलिखित उत्पादों का कार्य किया जाएगा। जिसका विवरण इस प्रकार से हैः-

1. <u>स्टोल 2/48 आस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिज़ाईनों की स्टोल 08 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 08 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 3 से 4 घण्टें कार्य करने पर 05 दिन में 10 स्टोल तैयार किया जाएगी।

<u>2.शॉल 2/48 आस्ट्रेलियन बूल धागा</u>

विभिन्न डिज़ाईनों की शॉल 02 सदस्यों द्वारा तैयार किया जाएगी। 02 सदस्य द्वारा प्रति दिन में 3 से 4 घण्टें कार्य करने पर 07 दिन में 03 शॉल तैयार किया जाएगी।

6. उत्पादन हेतु नियोजन का विवरण

6.1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन (प्रतिदिन 4-5 घण्टें कार्य करेगें)	➢ 60 स्टोल ➢ 12 शॉल
6.2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	➢ 10 सदस्य स्टोल के लिए ➢ 02 सदस्य शॉल के लिए ➢ **कुल 12 सदस्य**
6.3	कच्चे माल का स्त्रोत	अखाड़ा बाज़ार कुल्लू
6.4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	कुल्लू , शमशी, भुन्तर

6.5 कच्चे माल की आवश्यकता एवं अनुमानित उत्पादन

क्रं0	माह	ताना व वाना*(शॉल स्टोल के लिए)*				कैशमीलोन*(शॉल स्टोल के लिए)*			अपेक्षित उत्पादन की मात्रा	टिप्पणी
		इकाई	मात्रा	दर	धनराशि	मात्रा	दर	धनराशि		
1	अप्रैल	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	शॉल 12 स्टॉल 60 प्रति चक्र
2	मई	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
3	जून	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
4	जुलाई	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
5	अगस्त	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
6	सितम्बर	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
7	अक्तूबर	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
8	नवम्बर	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
9	दिसम्बर	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
10	जनवरी	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
11	फरवरी	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
12	मार्च	कि0ग्रा0	22	1500	33000	3	450	1350	72	
	कुल		264		396000	36		16200	864	

- प्रत्येक चक्र (प्रति माह) में शॉल 12,स्टोल 60 समूह द्वारा बनाए जाएगें, यानि 72 नग।
- साल में शॉल 144, स्टोल 720 समूह द्वारा बनाए जाएगें, यानि 864 नग।

7. <u>विपणन/बिक्री</u> का विवरण

7.1	सम्भावित विपणन स्थल	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.2	इकाई से दूरी	16 से 55 कि0मी0
7.3	मण्डी स्थल/स्थलों में उत्पाद की मांग	कुल्लू, भुन्तर, मनाली
7.4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	समूह द्वारा अपनी क्षमता व स्थानीय मांग के आधार • विक्रेताओं की सूची बनाना। • विक्रेताओं से सम्पर्क।
7.5	विपणन पर मौसम का प्रभाव	सर्दी में ज्यादा मांग।
7.6	उत्पाद के संभावित खरीदार	स्थानीय लोग, शहरी लोग, पर्यटक
7.7	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	किरायेदार, नौकरी वाले, बाहरी लोग।
7.8	उत्पाद का विपणन तंत्र	• दुकानदारों से सम्पर्क। • अपना बिक्री केन्द्र • मेलों में स्टाल/प्रदर्शनी • विभिन्न कार्यालय • धार्मिक स्थलों
7.9	उत्पाद की विपणन रणनीति	• थोक व्यापारी • परचून व्यापारी • एजैन्ट 20-25 प्रतिशत सब्सिड़ी • लोकल नैटवर्क में प्रचार • सोशिल मीडिया में प्रचार •
7.10	उत्पाद का छाप निर्धारण	अम्बिका ग्रुप रे शोभले उत्पाद अम्बिका ग्रुप रे शोभले उत्पाद
7.11	उत्पाद का नारा-	शोभला गांव, शोभला कोम, रति भर नहीं काण । यह सा खणीपांदे-पवनंग, स्टॉल री पहचाण।।

JICA Project

8. समूह सदस्यों के मध्य प्रबंधन का विवरण

- प्रबन्धन के लिए नियम बनाये जाएगें।
- समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यो का बंटवारा करेंगें।
- बंटवारा कार्य की कुशलता व क्षमता के आधार पर किया जाएगा।
- लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवता व कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा।
- विपणन करने वाले सदस्य को कुल बिक्री राशि पर 05 प्रतिशत कमीशन दी जाएगी।
- प्रधान व सचिव प्रबन्धन का मुल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेगें।

9.शक्ति, दुर्बलता, अवसर तथा चुनौती का विश्लेषण **(SWOT Analysis)**

शक्ति

- महिलाओं में कार्य करने की लग्न है।
- पहले से ही कुछ सदस्य खड्डी का काम करते है।
- समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

- महिलायें कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती हैं।
- कार्य के लिए 2 से 3 घण्टें का समय ही निकाल पाना।
- समूह में कार्य पहली बार कर रहे है।

अवसर

- हि0 प्र0 वन परितन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
- प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ौतरी होगी।
- ें महिलायें कुल्लवी पट्टू बनाती है।
- उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
- कुल्लू व मनाली पर्यटक स्थल है।

चुनौती

- अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।
- बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।
- अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।
- उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।
- अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यो में व्यस्थता।

10. सम्भावित चुनौतियां तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0सं0	ज़ोखिमों/ चुनौतियों का विवरण	::	जोखिम कम करने के उपाय
10.1	बाज़ार की स्थिति (डिमांड़) को ना समझना।	::	समय-समय पर बाज़ार की मांग के अनुसार चलना।
10.2	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	::	उपभोक्ताओं के मनपसन्द उत्पाद तैयार करना।
10.3	अन्य उत्पाद केन्द्रों से प्रतिस्पर्धा।	::	अन्य उत्पाद केन्द्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
10.4	उपभोक्ताओं से तालमेल की कमी।	::	उपभोक्ताओं से हमेशा सम्पर्क में रहना।
10.5	कृषि बागवानी व पशुपालन कार्यो में ज्यादा व्यस्थता।	::	कृषि बागवानी व पशुपालन और घर के अन्य कार्यो के साथ-साथ हथकरघा में ध्यान देना।
10.6	समूह में बंटवारा	::	आय मे बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना। पार्दर्शिता से कार्य करना।
10.7	उत्पाद की गुणवता घटने से विक्री कम हो सकती है।		गुणवता बनाये रखने के लिए समूह को उच्च मापदण्ड रखने होंगें।

11. परियोजना की अर्थव्यवस्था का विवरण

11अ-पूंजीगत व्यय

क्र0सं0	विवरण	मूल्य (रू0 में)
1	07 खड्डी 35 इंच वाली (9000 रूपये प्रति खड्डी)	63000
2	03 चरखे व उरी स्टैड़ (1700 रूपये प्रति चरखे व उरी स्टैड)	5100
	कुल पूंजी व्यय	68100

11ब-आवर्ती व्यय (एक चक्र में)

क्र0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	शॉल				
क	कच्चा माल (ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	4	1500	6000
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	1	450	450
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(12 शॉल के लिए)*	संख्या	12.8	20	250
घ	मजदूरी *(02 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन) 30x2x300*	दिन	30	300	18000
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				500
	कुल *(क+ख+ग+ङ)*				7200
2	स्टोल				
क	कच्चा माल (ताना व वाना)	कि0 ग्रा0	18	1500	27000
ख	कच्चा माल (कैशमीलोन)	कि0 ग्रा0	2	450	900
ग	वार्पिंग मशीन का खर्चा *(60 स्टॉल के लिए)*	संख्या	60	20	1200
घ	मजदूरी *(10 सदस्य 4-5 घण्टें/दिन) 30x10x300*	दिन	30	300	90000
ङ	अन्य खर्चा *(पैकिंग, पम्पलेट)*				1000
	कुल *(क+ख+ग+ङ)*				30100
	कुल आवर्ती लागत				37300

11 अर्थ-व्यवस्था का सारांश

उत्पादन की लागत

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	कुल आवर्ती लागत	37300
2	पूंजीगत व्यय पर 10 प्रतिशत वार्षिक ह्रास	681
3	ऋण पर 10 प्रतिशत वार्षिक ब्याज	333
	योग	**38314**

12 अनुमान

विक्रय मुल्य की गणना

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	धनराशि
एक शॉल के लिए				
1	उत्पादन की लागत	संख्या	1	1000
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	300
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**1300**
	बाजार भाव	संख्या	1	1600
एक स्टोल के लिए				
2	उत्पादन की लागत	संख्या	1	521
	निर्धारित लाभ	प्रतिशत	30	156
	कुल (लागत+ लाभ)	संख्या	1	**677**
	बाजार भाव	संख्या	1	850

JICA Project

13.उद्यम हेतू लागत-लाभ विश्लेषण (एक चक्र में यानि 01 महीना में)

क्रं0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
1	पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक ह्रास (अ)	.	.	.	681
2	आवर्ती व्यय(ब)			.	
2.1	शॉल				7200
2.2	स्टोल				30100
	योग (ब)				37300
3	कुल उत्पादन (शॉल)	संख्या	12		
	कुल उत्पादन (स्टोल)	संख्या	60		
4	उत्पाद की विक्री (शॉल)	संख्या	12		
	उत्पाद की विक्री (स्टोल)	संख्या	60		
5	उत्पाद की विक्री से आय (शॉल)	संख्या	12	1300	15600
	उत्पाद की विक्री से आय(स्टोल)	संख्या	60	677	40620
	योग (स)				56220
6	कुल लाभ =स-(अ+ब) 56220-(946+37300) =17974				17974
7	उत्पाद की बिक्री से सकल लाभ				17974
8	एक चक्र के उपरान्त लाभ के रूप में सदस्यों के मध्य वितरण हेतू उपलब्ध धनराशि =उत्पाद की विक्री से आय - (मूलधन व ब्याज वापसी हेतू वांछित धनराशि + किराया +दूसरे चक्र हेतू आवश्यक आवर्ती व्यय) 56220-(4000+ 37300 = 41300)				14920

14. स्वयं सहायता समूह/समान रूची समूह को धन की आवश्यकता

क्रं0	मद	कुल व्यय	परियोजना द्वारा अंशदान 50%	समूह द्वारा अंशदान 50%	समूह को ऋण की आवश्यकता
1	पूंजीगत व्यय	68100	34050	34050	0
2	आवर्ती व्यय	37300	0	0	37300
	योग	105400	34050	34050	37300
	नोट	समूह को कुल ऋण की आवश्यकता			40000

नोट -चूंकि मजदूरी का प्रबन्ध समूह के सदस्य स्वयं करेगें अतः इसके लिए अतिरिक्त धन की आवश्यकता नही होगी इसलिए समूह की वित्तीय आवश्यकता में दिये गये आवर्ती व्यय में मजदूरी को नही जोड़ा गया है।

15.समूह के वित्तीय संसाधन

क्रं0	विवरण	धनराशि
1	परियोजना द्वारा उपलब्ध करायी गयी सहायता कोष	34050
2	समूह की आंतरिक बचत	6000
	योग	**40050**

- परियोजना द्वारा 100000/- रूपये राशि बीज कोष के रूप में उपलब्ध करायी जायेगी। इस बीज कोष के आधार पर ही समूह के सदस्य बैंक से ऋण लेगें।

16. धनराशि की आवश्यकता का नियोजन

क्रं0	आवश्यक संसाधन	आवश्यक धनराशि	अभ्युक्ति
1	07 खड्डी 35 इंच वाली	31500	समूह द्वारा सहायता राशि से खड्डी, चरखे व उरी के लिए 50% एडवांस दिया जाए।
2	02 चरखे व उरी स्टैड़	1700	
	कुल	33200	
3	कच्चा माल व किराया	37300	
	कुल योग	70500	

17. लाभ-हानि बिन्दू/स्थिति की गणना
(ब्रेक इविन प्वाइन्ट)

शॉल की सम विछेदन बिन्दू की गणना
= 68100/300 227 दिन

स्टोल की सम विछेदन बिन्दू की गणना
= 68100/156 436 दिन

कुल लाभ (*शॉल, स्टॉल* = 300+156=456
अतः सम बिछेदन बिन्दू
= 68100/456 150 दिन

- इस प्रक्रिया में उपरोक्त उत्पाद की बिक्री के इसी अनुपात के अनसार 150 दिनों में सम विछेदन बिन्दू प्राप्त किया जा सकता है।

JICA Project

18. ऋण चुकौती की अनुसूची

क्रं0	महीना	ऋण वापसी			संचयी ऋण वापसी	अवशेष ऋण		
		मूलधन	ब्याज	कुल		मूलधन	ब्याज	कुल
1	महीना-1					40000	333	**40333**
2	महीना-2	3667	333	4000	**4000**	36333	303	**36636**
3	महीना-3	3697	303	4000	**4000**	32636	272	**32908**
4	महीना-4	3728	272	4000	**4000**	28908	241	**29149**
5	महीना-5	3759	241	4000	**4000**	25149	210	**25359**
6	महीना-6	3790	210	4000	**4000**	21359	178	**21537**
7	महीना-7	3822	178	4000	**4000**	17537	146	**17683**
8	महीना-8	3854	146	4000	**4000**	13683	114	**13797**
9	महीना-9	3886	114	4000	**4000**	9796.7	81.6	**9878.3**
10	महीना-10	3918	81.6	4000	**4000**	5878.3	49	**5927.3**
11	महीना-11	3951	49	4000	**4000**	1927.3	16.1	**1943.4**
12	महीना-12	1927	16.1	1943.4	**1943.4**	0	0	**0**
	योग	40000	1943	41943				

- 10% वार्षिक ब्याज की गणना प्रति माह घटते हुए मूलधन के आधार पर की गई है।
- समायोजन के कारण अन्तिम ई0एम0आई0 नियमित ई0एम0आई0 से कम या अधिक हो सकती है।

19. टिप्पणी

समूह द्वारा प्रथम चक्र में 72 नग यानि 12 शॉल, 60 स्टोल तैयार करके विक्रय किए जाएगें। इससे प्रत्येक चक्र में औसतन 14920/- रूपये की आय सम्भावित है।

20. प्रशिक्षण

प्रशिक्षण प्रतिदिन 08 घण्टें किया जाएगा यानि 42 से 43 दिन। मास्टर ट्रेनर को 1000/- रूपये प्रतिदिन के हिसाब से प्रशिक्षित करने का दिया जाएगा। प्रशिक्षण की अवधि के समय समूह को एक बार कच्चा माल 1000/- रूपये प्रति प्रशिक्षणार्थी के हिसाब से दिया जाएगा।

क्रं0	विवरण	प्रशिक्षण	सदस्य	दर	राशि	टिप्पणी
1	मास्टर ट्रेनर	45 दिन	-	1000	45000	1000.00 रूपये /दिन
2	बोर्डिंग लॉज़िग	45 दिन		100	4500	1000 रूपये /दिन
3	कच्चा माल/प्रशिक्षण सामग्री	45 दिन	12	1000	12000	1000 रूपये /सदस्य एक बार
4	प्रशिक्षण केन्द्र का किराया	45 दिन	-	1000	1500	1000 रूप्ये/दिन
5	परिवहन किराया	खड्डी, चरखा उरी	-	-	1000	1000 रूपये एक बार
	कुल				64000	

21.अनुलग्नक

स्वंय सहायता/समान रूची समूह के नियमों की सूची

1. समूह का काम : **हथकरघा**
2. समूह का नाम : **अम्बिका समान रूची समूह**
3. समूह का पता : **गांव खणीपांद डा0 डुघीलग तह0 व ज़िला कुल्लू हि0 प्र0**
4. समूह के कुल सदस्य : 12
5. समूह की पहली बैठक की तिथि ; **12 ,जुलाई, 2020**
6. समूह में हर 100 रूपए पर 2 रूपए ब्याज होगा
7. समूह की मासिक बैठक हर माह की <u>12</u> तारिख को होगी
8. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
9. स्वंय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
10. स्वंय सहायता समूह का खाता **यूको बैंक** शाखा **आखडा बाजार, कुल्लू** में खोला जाएगा खाता संख्या नंबर . 11470110048610 है
11. समूह की बैठक में गैर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
12. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बैठकों तक समूह से गैर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
13. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए बगैर गैर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
14. स्वंय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाएगें
15. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
16. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्ध कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
17. अगर सदस्य किसी कारण समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ सकता है अन्यथा नही
18. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
19. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
20. स्वंय सहायता समूह के रजिस्ट्रर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
21. ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
22. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाहिए
23. अगर सदस्य बिना कारण से समूह को छोड़ना चाहता है तो उस सदस्य की जमा रही समूह में बांटी जाएगी
24. समूह को अपनी मासिक रिपोर्ट प्रति माह तकनीकी क्षेत्रीय इकाई (Field Technical Unit)के कार्यालय में देनी होगा।

अम्बिका समान रूची समूह के सदस्य के छायाचित्र

श्रीमति लता देवी
प्रधान

श्रीमति जमना देवी
सचिव

श्रीमति रजनी देवी
कोषाध्यक्ष

श्रीमति रेली देवी
सदस्य

श्रीमति मूलदेई
सदस्य

श्रीमति उर्मिला देवी
सदस्य

श्रीमति किरणा देवी
सदस्य

श्रीमति पूनम देवी
सदस्य

श्रीमति रीना देवी
सदस्य

श्रीमति रोमा देवी
सदस्य

श्रीमति मोनिका देवी
सदस्य

श्रीमति फिरोज
सदस्य

सहमति पत्र

आज दिनांक 25/12/22 को अम्बिका" समान रूची समूह की बैठक प्रधान श्रीमति लता देवी की अध्यक्षता व ग्राम वन विकास समिति खणीपादे-पवनंग की उपस्थिति मे हुई, जिसमें समूह के सभी सदस्यो ने सर्वसहमति से निर्णय लिया कि वन विभाग के माध्यम से चलाई जा रही **हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना** (जापान द्वारा वित पोषित) के तहत व ग्राम वन विकास समिति खणीपादे-पवनंग के सहयोग से "अम्बिका" समूह अपनी आय बढ़ाने के लिए हथकरघा का कार्य करने के लिए हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तन्त्र प्रबन्धन एवं आजीविका सुधार परियोजना से जुड़ने व निरन्तर **हथकरघा** का कार्य करने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान लता देवी — Rafni सचिव
अम्बिका स्वयं सहायता समूह

अनुमोदन

आज दिनांक 04/01/22 को मण्डलीय प्रबन्धन ईकाई एवं वन मण्डलाधिकारी कुल्लू द्वारा "अम्बिका" समान रूची समूह खणीपादे की **हथकरघा** आय बर्धन व्यवसाय योजना का अनुमोदन किया गया।

DMU- cum DFO Kullu,
Kullu Forest Division Kullu